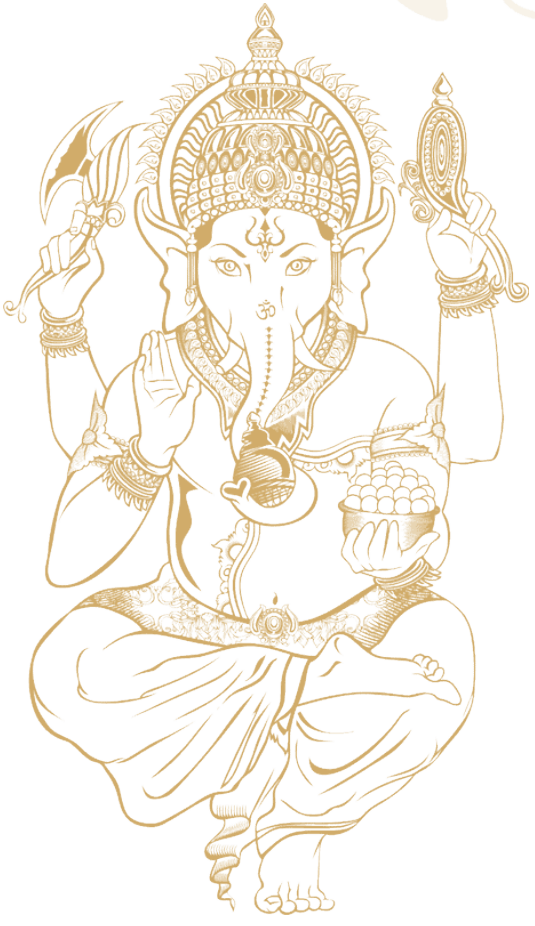

Tarun Bansal

13 Nov 1993

10:15 PM

Adampur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121084602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/11/1993**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**22:15:00 घंटे**
इष्ट	38:24:48 घटी
स्थान	**Adampur**
देश	India

अक्षांश	31:26:00 उत्तर
रेखांश	75:43:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:47:52 घंटे
वेलान्तर	00:15:45 घंटे
साम्पातिक काल	01:19:05 घंटे
सूर्योदय	06:53:04 घंटे
सूर्यास्त	17:29:37 घंटे
दिनमान	10:36:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	27:33:02 तुला
लग्न के अंश	06:41:25 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सौभाग्य
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	06:41:25	302:44:33	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			तुला	27:33:02	01:00:26	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			तुला	24:46:03	14:52:36	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	09:26:16	00:43:16	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध	व		तुला	12:58:50	00:17:40	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			तुला	06:56:03	00:12:38	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	11:59:57	01:15:12	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			कुंभ	00:05:37	00:01:42	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	09:14:15	00:00:45	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:14:15	00:00:45	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	25:22:35	00:02:16	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	25:08:26	00:01:25	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	01:29:20	00:02:24	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मीन	27:37:23	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:31

लग्न-चलित

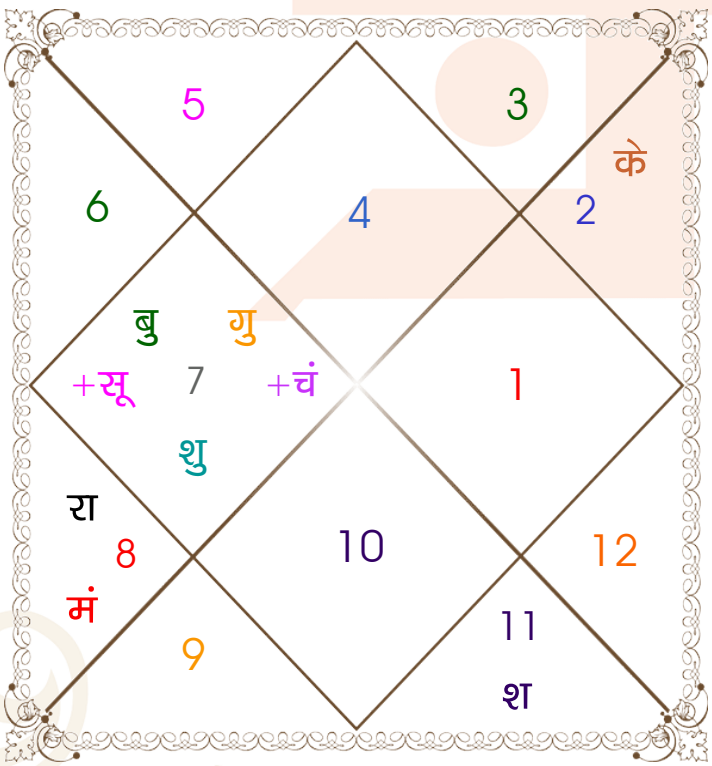

चन्द्र कुंडली

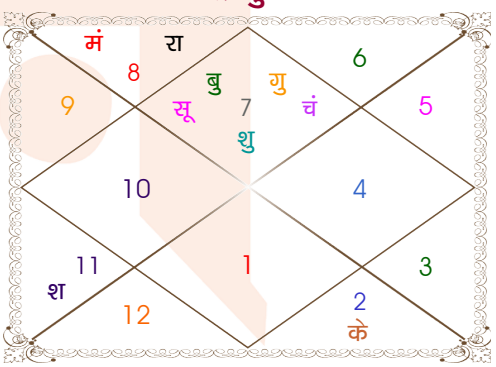

नवमांश कुंडली

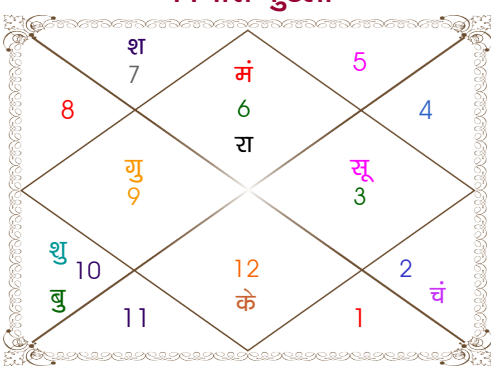

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 3 मास 10 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
13/11/1993		24/02/2004		24/02/2023		24/02/2040		24/02/2047	
24/02/2004		24/02/2023		24/02/2040		24/02/2047		24/02/2067	
	00/00/0000	शनि	27/02/2007	बुध	22/07/2025	केतु	22/07/2040	शुक्र	25/06/2050
	13/11/1993	बुध	06/11/2009	केतु	19/07/2026	शुक्र	21/09/2041	सूर्य	25/06/2051
बुध	30/01/1995	केतु	16/12/2010	शुक्र	19/05/2029	सूर्य	27/01/2042	चंद्र	23/02/2053
केतु	06/01/1996	शुक्र	14/02/2014	सूर्य	26/03/2030	चंद्र	28/08/2042	मंगल	25/04/2054
शुक्र	06/09/1998	सूर्य	27/01/2015	चंद्र	25/08/2031	मंगल	24/01/2043	राहु	25/04/2057
सूर्य	25/06/1999	चंद्र	27/08/2016	मंगल	21/08/2032	राहु	12/02/2044	गुरु	25/12/2059
चंद्र	24/10/2000	मंगल	06/10/2017	राहु	11/03/2035	गुरु	18/01/2045	शनि	24/02/2063
मंगल	30/09/2001	राहु	12/08/2020	गुरु	16/06/2037	शनि	26/02/2046	बुध	24/12/2065
राहु	24/02/2004	गुरु	24/02/2023	शनि	24/02/2040	बुध	24/02/2047	केतु	24/02/2067

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
24/02/2067		23/02/2073		24/02/2083		23/02/2090		25/02/2108	
23/02/2073		24/02/2083		23/02/2090		25/02/2108		00/00/0000	
सूर्य	13/06/2067	चंद्र	24/12/2073	मंगल	23/07/2083	राहु	05/11/2092	गुरु	14/04/2110
चंद्र	13/12/2067	मंगल	25/07/2074	राहु	09/08/2084	गुरु	01/04/2095	शनि	25/10/2112
मंगल	19/04/2068	राहु	24/01/2076	गुरु	16/07/2085	शनि	05/02/2098	बुध	14/11/2113
राहु	13/03/2069	गुरु	25/05/2077	शनि	25/08/2086	बुध	25/08/2100		00/00/0000
गुरु	30/12/2069	शनि	25/12/2078	बुध	22/08/2087	केतु	13/09/2101		00/00/0000
शनि	12/12/2070	बुध	25/05/2080	केतु	18/01/2088	शुक्र	13/09/2104		00/00/0000
बुध	19/10/2071	केतु	24/12/2080	शुक्र	19/03/2089	सूर्य	07/08/2105		00/00/0000
केतु	24/02/2072	शुक्र	25/08/2082	सूर्य	25/07/2089	चंद्र	06/02/2107		00/00/0000
शुक्र	23/02/2073	सूर्य	24/02/2083	चंद्र	23/02/2090	मंगल	25/02/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 3 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।